मुख्यमंत्री ने जनपद महराजगंज में उ0प्र0 के पहले पी0पी0पी0 मोड पर स्थापित के0एम0सी0 मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल का उद्घाटन किया

❑ जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में प्रदेश सरकार तेजी के साथ आगे बढ़ रही और प्रदेश को भारत के विकास के ग्रोथ इंजन के रूप में स्थापित कर रही

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भगवान धन्वंतरि स्वास्थ्य और आरोग्यता के देव हैं। पूरे देश में हम 30 अक्टूबर को भगवान धन्वंतरि जयन्ती मनायेंगे। आज का दिन जनपद महराजगंज के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है। दीपावली और धनतेरस के ठीक पूर्व, महराजगंज में प्रदेश के पहले पी0पी0पी0 मोड पर बने के0एम0सी0 मेडिकल कालेज एण्ड हॉस्पिटल का लोकार्पण हो रहा है। यह आरोग्यता का प्रतीक है। आज मेडिकल कॉलेज के मुख्य प्रशासनिक भवन और एकेडमिक बिल्डिंग का उद्घाटन हो रहा है। 150 बच्चों का एडमिशन मेडिकल कालेज में हो चुका है।

मुख्यमंत्री जनपद महराजगंज में उत्तर प्रदेश के पहले पी0पी0पी0 मोड पर स्थापित के0एम0सी0 मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल का उद्घाटन करने के उपरान्त इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने शान्ति फाउण्डेशन के सदस्यों, मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों और अधिकारियों को सम्मानित किया। उन्होंने मेडिकल कॉलेज के एन0आर0सी0 तथा फिजियोलॉजी वॉर्ड, एनाटॉमी कक्ष, लेक्चर थियेटर आदि का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रशिक्षु डॉक्टरों से संवाद किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने मेडिकल कॉलेज के लिए महराजगंजवासियों, शान्ति फाउण्डेशन के अध्यक्ष विनय कुमार श्रीवास्तव और उनकी टीम को बधाई दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह क्षेत्र आजादी के बाद से लगातार विकास की दृष्टि से उपेक्षित रहा। यह तराई का क्षेत्र माना जाता था। यह माना जाता था कि यहां के नागरिकों का विकास और शासन की सुविधाओं पर अधिकार नहीं है। यहां पर सड़कें नहीं थी, बिजली नहीं आती थी, पानी की स्थिति अत्यन्त खराब थी, स्वच्छता के बारे में भी कोई सोचता नहीं था। स्वच्छ पेयजल का अभाव और गंदगी का परिणाम था कि इन्सेफेलाइटिस जैसी बीमारियां बहुत से बच्चों को निगल जाती थी। मलेरिया से यह क्षेत्र ग्रसित रहता था। चीनी मिलें, जो कभी यहां के विकास का आधार थी, एक-एक कर बंद हो गई थीं। यह क्षेत्र विकास से कोसों दूर था। लेकिन आज महराजगंज उपेक्षित जनपद नहीं है। आज ही चौक बाजार में एक बड़े समारोह में जनपद महराजगंज को 940 करोड़ रूपये की परियोजनाओं की सौगात दी गयी है। इसमें अलग-अलग परियोजनायें शामिल है। आज ही, आरोग्यता के प्रतीक एक आधुनिक मेडिकल कालेज की सौगात भी महराजगंजवासियों को प्राप्त हो रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हमेशा सत्य है कि जो व्यक्ति, समाज अथवा राष्ट्र समय से दो कदम आगे की नहीं सोचेगा और उसके अनुरूप नहीं चलेगा, वह पिछड़ जाएगा। विगत 10 वर्षों में भारत ने अद्भुत प्रगति की है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में आज भारत दुनिया की एक बड़ी आर्थिक शक्ति बन रहा है। वर्ष 2014 में भारत दुनिया की दसवीं बड़ी अर्थव्यवस्था माना जाता था। कई वर्षों से यह सोच बन गई थी कि भारत दसवें नम्बर पर ही रहेगा। प्रधानमंत्री ने उस मिथक को तोड़कर मात्र 10 वर्षों में भारत को दुनिया की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था बना दिया है।

समितियों पर उर्वरक की नहीं होगी कमी : संयुक्त आयुक्त

सहकारिता विभाग के संयुक्त आयुक्त एवं संयुक्त निबंधक बस्ती मंडल अशोक कुमार ने विकास भवन सभागार में अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ बैठक की। जिसमें उर्वरक की उपलब्धता और संतुलित वितरण सुनिश्चित किए जाने का निर्देश दिया। विशेषकर फास्फेटिक उर्वरक की मांग व समितियों पर समान रूप से निरंतर आपूर्ति पर जोर दिया। किसानों से अपील किया कि अपनी जोत के अनुसार निर्धारित मात्रा में ही उर्वरक का उपयोग करें। सचिवों को निर्देश दिया कि भीड़ होने की दशा में किसानों को टोकन दिया जाए। इसके साथ ही उनके बैठने की व्यवस्था की जाए। महिला किसानों को सम्मान के साथ उर्वरक दिया जाए। जिले में अक्टूबर माह हेतु पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध था, जिसे समितियों के माध्यम से किसानों तक पहुंचाया गया है। नवम्बर में डीएम के माध्यम से उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए शासन से पत्राचार किया गया है। बैठक में एआर कोआपरेटिव आनंद मिश्रा, जिला सहकारी बैंक के सचिव राहुल रोज, इफ्को प्रतिनिधि साजिद अंसारी, जिला प्रबंधक पीसीएफ अखिलेश यादव, एडीसीओ गुलाब चंद, संजीव कुमार और ज्योति तिवारी, जाकिर आदि मौजूद रहे।

दुग्ध संघों के सुदृढ़ीकरण के लिए 20 करोड़ रूपये की धनराशि स्वीकृत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश में डेयरी विकास के लिए दुग्ध संघों के सु.ढ़ीकरण एवं उन्हें पुनर्जीवित करने की योजना के तहत वर्तमान वित्तीय वर्ष में बीस करोड़ रूपये की धनराशि स्वीकृत की है। यह धनराशि द्वितीय किश्त के रूप में स्वीकृत की गई है। यह धनराशि आगरा, मैनपुरी, मेरठ, झांसी, जालौन (उरई), हमीरपुर, महोबा, बांदा, लखनऊ, लखीमपुर खीरी, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, रामपुर, वाराणसी, मिर्जापुर, सोनभद्र, गोरखपुर, महाराजगंज, देवरिया, बस्ती, सिद्धार्थनगर, आजमगढ़, मऊ, प्रयागराज, प्रतापगढ, कानपुर, अयोध्या, अंबेडकरनगर, बहराइच, तथा गोंडा जनपदों के लिए स्वीकृत की गई है।

इस संबंध में दुग्ध विकास विभाग द्वारा शासनादेश जारी करते हुए योजना के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में सम्बन्धित जनपदों के दुग्धशाला विकास अधिकारी/उप दुग्धशाला विकास अधिकारी तथा आहरण वितरण अधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दे दिये गये हैं। शासनादेश में कहा गया है कि स्वीकृत धनराशि के उपयोग में राज्य सरकार द्वारा निर्धारित मानकों व दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाये। स्वीकृत धनराशि का आहरण व व्यय योजना के समय-समय पर निर्गत दिशा-निर्देशों तथा शासनादेश में निहित व्यवस्था के अनुसार किया जाएगा।

15 साल बाद मिली समिति से खाद तो झूम उठे किसान

बांसगांव। साधन सहकारी समिति पर 15 साल बाद खाद का वितरण शुरू हुआ। इससे किसानों में खुशी व्याप्त है। सुबह से भारी संख्या में खाद लेने के लिए किसान पहुंचे। नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि विजय कुमार सिंह बबलू, सहायक आयुक्त/सहायक निबन्धक गोरखपुर नीरज कुमार के अथक प्रयास से वितरण शुरू हो सका।

समिति के सचिव शक्ति सिंह ने बताया कि 400 बोरी खाद मिली थी शाम तक समाप्त हो गई। उन्होंने कहा कि जिन किसानों को खाद नहीं मिला उनको एक हफ्ते के अंदर उपलब्ध कराई जायेगी।

खाद लेने आए किसान नीरज सिंह ने बताया कि उन्हें आलू की बुआई के लिए खाद की सख्त जरूरत थी। शाम को खाद आने की सूचना मिली। इस अवसर पर मरवाटिया समिति के अध्यक्ष राज कुमार सिंह, जिला उपाध्यक्ष संजय सिंह, समिति के अध्यक्ष ओम प्रकाश सिंह, रवि मौजूद रहे।

उद्यान विभाग प्रदेश की 01 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में निभाएगा अहम भूमिका

❑ बेहतर बाजार उपलब्ध कराकर किसानों की आय में वृद्धि सुनिश्चित की जाएगी

❑ किसानों को तकनीकी सहायता, प्रशिक्षण और उन्नत बीज प्रदान किए जाएंगे, जिससे उत्पादन और आय में सुधार हो -उद्यान मंत्री

लखनऊ। प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार और कृषि निर्यात राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि योगी सरकार किसानों के हित में कई सार्थक कदम उठा रही है। किसानों को आधुनिक तकनीक और नवाचार से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में 'पर ब्लाक वन क्राप' योजना शुरू की जा रही है, जिसका उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाना और उनकी उपज की गुणवत्ता में सुधार करना है।

उद्यान मंत्री ने बताया कि हर ब्लाक में एक विशेष औद्यानिक फसल का चयन किया जाएगा, जो उस क्षेत्र की जलवायु और मिट्टी के अनुसार सबसे उपयुक्त होगी। इस योजना के तहत, किसानों को एक ही प्रकार की बागवानी फसल उगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, जिससे न केवल फसल की गुणवत्ता में सुधार होगा बल्कि उत्पादन भी बढ़ेगा। इससे किसानों की आय में वृद्धि होगी और उन्हें बेहतर बाजार भी मिलेगा।

सवा करोड़ रूपये से 24 सहकारी समितियों का करेंगे कायाकल्प

गाजीपुर। जनपद में संचालित जर्जर समितियों का कायाकल्प करने को लेकर तैयारियां शुरू हो गयी है। सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक सहकारिता, अंशल कुमार के निर्देश पर जर्जर 24 समितियों को चिन्हित कर सूची बना ली गयी है। अब इन समितियों के कायाकल्प को लेकर लगभग एक करोड़ 24 लाख रूपया बजट बनाते हुए शासन को प्रस्ताव भी भेज दिया गया है। शासन से धन मिलते ही जर्जर समितियों का कायाकल्प होगा। समितियों के मरम्मत हो जाने से कर्मियों सहित किसानों को भी लाभ मिलेगा।

जनपद में 182 समितियां हैं, जिसमें 156 समितियां सक्रिय हैं। विभाग की ओर से दो समितियों को सक्रिय करने के लिए कवायद शुरू हो गयी है। अब संचालित हो रही समितियों में 24 समितियों के भवन जर्जर हो गये हैं। जर्जर भवनों के कायाकल्प करने के लिए तैयारी शुरू हो गयी है। समितियों के भवन और गोदाम जर्जर होने के कारण अनाज और खाद खराब होने से हर साल हजारों रूपये के राजस्व की क्षति होती है। बीते दिनों शासन की तरफ से जर्जर हो चुके सहकारी समितियों के भवन की रिपोर्ट मांगी गई थी। जिसके बाद सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक, अंशल कुमार ने पत्र जारी कर ब्लॉक स्तर पर जर्जर समितियों की सूची मांगी थी।

''जनपद के 24 साधन सहकारी समितियों की मरम्मत कराई जानी है। प्रत्येक ब्लॉक से एक-एक समिति का इस्टीमेट तैयार करते हुए शासन में सूची भेजी गई है। शासन स्तर से जैसे ही धन मिलता है, मरम्मत कार्य शुरू करा दिया जायेगा।''- सहायक आयुक्त

सहकारिता

संरक्षक
बी०एन०सिंह (आई.ए.एस.)
आयुक्त एवं निबन्धक,
सहकारिता, उ0प्र0

श्रीकान्त गोस्वामी
प्रबन्ध निदेशक/प्रधान सम्पादक

सवीन्द्र सिंह
महाप्रबन्धक

स्वत्वाधिकारी, यू0पी0 कोऑपरेटिव यूनियन लि0, प्रकाशक, मुद्रक सुनील कुमार दिवाकर द्वारा सहकारी प्रेस, 14, डॉ0 भीमराव अम्बेडकर मार्ग लखनऊ, उ0प्र0 से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक-सुनील कुमार दिवाकर
फोन : 0522-4004577 (का.)
मोबाइल : 9415094114
ईमेल : sahkarita@gmail.com

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।

आर0 एन0 आई0 नं0 : 25008/72 डाक पंजी0 सं0 - GPO- LW/NP-178/2024-26

सहकारिता

उत्तर प्रदेश के सहकारी आन्दोलन का दर्पण

वर्ष : 53 अंक : 06 (हिन्दी साप्ताहिक) लखनऊ-बृहस्पतिवार 07 नवम्बर, 2024 से 13 नवम्बर, 2024 पृष्ठ-4 वार्षिक 150.00 रूपया मात्र एक प्रति 3.00 रूपया

सरदार पटेल ने अखण्ड भारत के वर्तमान स्वरूप प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया : मुख्यमंत्री

❑ मुख्यमंत्री ने सभी को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलायी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भगवान धन्वंतरि आयुर्वेद के जनक और आरोग्य के देव माने जाते हैं। आज भगवान धन्वंतरि की पावन जयन्ती है। इस दिवस को हम धनतेरस के रूप में भी मनाते हैं।आरोग्य के देवता की पावन जयन्ती पर हम स्वतंत्र भारत के शिल्पी सरदार वल्लभभाई पटेल की पावन जयन्ती से पूर्व,'रन फॉर यूनिटी' के आयोजन से जुड़ रहे हैं। सरदार वल्लभ भाई पटेल ने वर्ष 1947 में अखण्ड भारत के वर्तमान स्वरूप प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया था। यह पर्व, त्योहार एवं महापुरूषों की जयन्ती हमें नए भाव से आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान करते हैं।

मुख्यमंत्री अपने सरकारी आवास पर महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, लौहपुरूष, भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयन्ती के उपलक्ष्य में एक भारत-श्रेष्ठ भारत को समर्पित फ्रीडम रन (रन फॉर यूनिटी) के शुभारम्भ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने सभी को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलायी। उन्होंने झण्डी दिखाकर रन फॉर यूनिटी का शुभारम्भ किया। ज्ञातव्य है कि रन फॉर यूनिटी 05, कालिदास मार्ग से के0डी0 सिंह बाबू स्टेडियम तक आयोजित की गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कार्यक्रम 31 अक्टूबर को प्रस्तावित था, लेकिन उस दिन दीपावली का आयोजन होने के कारण इस दौड़ को 02 दिन पूर्व ही आयोजित किया गया है। इस वर्ष राष्ट्रीय एकता दिवस का महत्व और भी अधिक है, जब पूरा देश लौहपुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयन्ती वर्ष में प्रवेश कर रहा है। लौहपुरूष के 150वें जन्मदिवस के कार्यक्रम देश और प्रदेश में 31 अक्टूबर, 2024 से 31 अक्टूबर, 2025 तक वर्ष भर अलग-अलग रूपों में आयोजित होंगे।

मुख्यमंत्री प्रदेशवासियों को भगवान धन्वंतरि जयन्ती, धनतेरस, दीपावली एवं छठ तक आयोजित होने वाले सभी पर्वों की बधाई दी। उन्होंने आगामी 31 अक्टूबर से लौह पुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल के 150वें जयन्ती वर्ष की शुरूआत के अवसर पर उनकी स्मृतियों को नमन कर अपनी विनम्र श्रद्धांजलि (शेष पृष्ठ 2 पर....)

विकसित भारत के निर्माण में सहकारिताओं की भूमिका

14 से 20 नवम्बर, 2024 तक मनाया जायेगा 71वाँ अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह - आयुक्त एवं निबन्धक

आयुक्त एवं निबन्धक सहकारिता, उ0प्र0 बी.एन. सिंह ने कार्यालय ज्ञाप जारी कर कहा कि भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ, नई दिल्ली द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुसार 71वाँ अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह, दिनांक 14 से 20 नवम्बर, 2024 तक मनाया जाना है। इस अवसर पर सहकारी कार्यक्रमों के प्रचार-प्रसार एवं सहकारी आन्दोलन के प्रति जागृति हेतु विचार गोष्ठियॉ, सामान्य निकाय की बैठक, कवि सम्मेलन एवं सहकारिता से सम्बन्धित वाद-विवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाये, ताकि सभी सक्रिय सहकारी बन्धुओं, भावी सदस्यों एवं सहकारिता से जुड़े सभी कार्यकर्ताओं के सहयोग से सहकारिता आन्दोलन को और अधिक लोकप्रिय एवं जनपयोगी बनाया जा सके। सहकारी सप्ताह समारोह के प्रथम दिवस दिनांक 14 नवम्बर, 2024 को समस्त सहकारी संस्थाओं के कार्यालयों पर सहकारी ध्वज फहराया जायेगा तथा प्रभात फेरी एवं गोष्ठियॉ आयोजित की जायेंगी। इस वर्ष सहकारी सप्ताह का मुख्य विषय-**"विकसित भारत के निर्माण में सहकारिताओं की भूमिका" "Role of Cooperatives in Building Viksit Bharat"** है।

सप्ताह के दिवसों को निम्न लिखित कार्यक्रम के अनुसार मनाया जायेगा-

क्र0	दिनांक	दिन	दिवस का विषय
1	14.11.2024	गुरूवार	''सहकारिता मंत्रालय की नई पहलों के माध्यम से सहकारी आन्दोलन को सशक्त बनाना'' "Strengthening Cooperative Movement Through new initiatives of Ministry of Cooperation"
2	15.11.2024	शुक्रवार	''सहकारी संगठनों में नवाचार, तकनीक और कुशल शासन'' " Innovation, Technology and Good Governance in Cooperatives"
3	16.11.2024	शनिवार	''उद्यमिता, रोजगार और कौशल विकास को बढ़ावा देने में सहकारिता की भूमिका'' "The Role of Cooperatives in Fostering Entrepreneursip, Employment, and Skill Development"
4	17.11.2024	रविवार	''सहकारी उद्यम में परिवर्तन'' "Transforming Cooperative Enterprises"
5	18.11.2024	सोमवार	''सहकारी संगठनों के बीच सहयोग को मजबूत करना'' "Strengthening Cooperation Among Cooperatives"
6	19.11.2024	मंगलवार	''महिलाओं युवाओं और कमजोर वर्गों के लिए सहकारी संगठन'' "Cooperatives for Women, Youth and Weaker Sections"
7	20.11.2024	बुधवार	''SDGs के ध्येय को हासिल करने में सहकारी संगठनों की भूमिका और बेहतर दुनिया के लिए आगे का मार्ग'' "Role of Cooperatives in Achieving SDGs and way forward for Better World"

आयुक्त एवं निबन्धक श्री सिंह ने अपने कार्यालय ज्ञाप में कहा कि सहकारी सप्ताह समारोह के आयोजन में समस्त सहकारी पदाधिकारियों, अधिकारियों, कार्मिकों, सहकारी बन्धुओं एवं स्थानीय/क्षेत्रीय सहकारी नेतृत्व की भागीदारी अवश्य सुनिश्चित की जाय। सहकारी सप्ताह की अवधि में प्रत्येक जनपद के जिला सहकारी बैंक मुख्यालय परिसर में विभिन्न सहकारी संस्थाओं के प्रतिनिधियों की भागीदारी से सहकारी गोष्ठी का आयोजन किया जाये। तथा जनपद में सहकारी आन्दोलन के विभिन्न कार्यक्रमों की प्रगति एवं उपलब्धियों को भी स्थानीय प्रचार माध्यमों से निःशुल्क प्रसारित किया जाना चाहिए। सहकारी सप्ताह के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों की प्रगति रिपोर्ट ''सहकारिता साप्ताहिक'' में प्रकाशनार्थ सम्पादक, सहकारिता साप्ताहिक, पी.सी.यू., लखनऊ को शीघ्रातिशीघ्र प्रेषित करने के निर्देश दिये।

बी-पैक्स पर भी मिल्क कलेक्शन सेंटर

❑ **बहुउद्देशीय सहकारी समितियां पशुपालकों से खरीदेंगी दूध**

❑ **समिति में फ्रीज और अन्य उपकरण की व्यवस्था भी कराई जायेगी।**

वाराणसी। 'सहकार से समृद्धि' योजना के तहत साधन सहकारी समितियों को बहुउद्देशीय बनाया जा रहा है। अब समितियों में मिल्क कलेक्शन सेंटर (दुग्ध संग्रह केंद्र) खोलने की तैयारी है। जिले में कुल दस जगहों पर सेंटर बनाए जायेंगे। यहां पुशपालक, किसान और अन्य लोग दूध बेचेंगे। उन्हें इसका लाभकारी मूल्य मिलेगा।

दूध को स्टोर करने के लिए फ्रीज समेत अन्य उपकरणों की व्यवस्था की जाएगी। जिले में 93 साधन सहकारी समितियां हैं। यहां उर्वरक का वितरण होता है। इनमें 73 को बहुउद्देशीय साधन सहकारी समिति (बी-पैक्स) का दर्जा देकर विविध सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं। इनमें कई बी-पैक्स पर खुले कॉमन सर्विस सेंटर पर ऑनलाइन प्रमाण-पत्र जारी करने की सुविधा मिल रही है।

वहीं पिछले सप्ताह राजातालाब की समिति पर प्रधानमंत्री जनऔषधि केंद्र भी खोला गया है। इससे ग्रामीणों को सस्ती कीमतों पर दवाएं मिल रही हैं। समृद्ध करने के लिए मिल्क कलेक्शन सेंटर खोलने की तैयार है। इससे न केवल पशुपालकों को अनावश्यक रूप से दूरी तय नहीं करनी होगी। बल्कि उन्हें अपने आस-पास ही दूध बेचने की सुविधा मिलेगी वहीं ग्रामीणों के लिए रोजगार के नए अवसर भी उपलब्ध हो सकेंगे।

उपायुक्त और उपनिबन्धक (सहकारिता) सोमी सिंह ने बताया कि जिले के आठों ब्लॉकों में 10 कलेक्शन सेंटर खोले जाने हैं। इनकी चयन प्रक्रिया शुरू हो गई है। उन्होंने बताया कि खरीदे गए दूध की आपूर्ति बड़ी एजेंसियों को होगी।

मिनी नंदिनी कृषक समृद्धि योजना के लिए आवेदन प्रारंभ

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने एवं गौपालकों को सशक्त बनाने के लिए मिनी नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना के अन्तर्गत 10 स्वदेशी उन्नत नस्ल की गायों की इकाई स्थापना हेतु अधिकतम रू0 11.80 लाख का अनुदान दो चरणों में प्राप्त करने का अवसर दिया जा रहा है। योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु आवेदन 01 नवंबर से प्रारंभ होकर 30 नवंबर 2024 तक किया जा सकेगा। इस योजना के सम्बन्ध में आवेदन पत्र का प्रारूप व सम्बन्धित शासनादेश विभागीय पोर्टल https://updairy development.gov.in एवं https://www.animalhusb. upsdc.gov.inèen पर तथा सम्बन्धित जनपद के मुख्य विकास अधिकारी अथवा मुख्य पशु चिकित्साधिकारी के कार्यालयों में उपलब्ध है तथा अधिक जानकारी के लिए अपने जनपद के उक्त कार्यालयों से सम्पर्क किया जा सकता है।

आवेदन पत्र का प्रारूप विभागीय पोर्टल https:// updairydevelopment.gov.in **एवं** https:// www.animalhusb.upsdc.gov.in //n **पर उपलब्ध**

यह जानकारी नंद बाबा दुग्ध मिशन के मिशन निदेशक राकेश कुमार मिश्रा ने दी। उन्होंने बताया कि यह योजना प्रदेश के समस्त जनपदों में लागू है। योजना के तहत लाभार्थी अंश 15 प्रतिशत, बैंक ऋण 35 प्रतिशत तथा इकाई लागत का अधिकतम 50 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा। श्री मिश्र ने बताया कि साहिवाल, गिर, एवं थारपारकर प्रजाति की 10 गाय की परियोजना की कुल अनुमानित लागत रू. 23.60 लाख होगी।

संपादकीय

संपन्नता को सम्मान मिलता बुरी बात नहीं है। इसका होना, इस बात का द्योतक है कि व्यक्ति परिश्रमी, उद्यमी, पुरूषार्थी और साहसी है। लोग इसके इन गुणों का आदर करें, यह उचित है परन्तु जब केवल संपन्नता ही सम्मान का एक मात्र आधार मान लिया जाता है तो अनर्थ अहं से होने लगता है। वैसे संपन्न व्यक्ति का प्रतिष्ठा अर्जित करने, सम्मान और यश प्राप्त करने का कोई विशेष अधिकार नहीं है। संपन्न व्यक्ति अपने पुरूषार्थ से धन कमाएं और उसे मौज उड़ाएं इसी से उनके पुरूषार्थ का पुरस्कार मिल जाता है, जो पर्याप्त है। उन्हें थोड़ा-बहुत आदर दिया जा सकता है, किन्तु संपन्नता की चकाचौंध से चकित होकर जो व्यक्ति ऐसे लोगों को किसी बहाने विशेष सम्मान या यश देने का प्रयत्न करते हैं, वे देवग्रास को देवताओं से छीनकर कौरवों को देने जैसी विडंबना रचते हैं। इसी प्रकार संपन्न व्यक्ति केवल अपने वैभव के आधार पर ही प्रतिष्ठा प्राप्त करने का प्रयत्न करता है तो वह भी अनुचित है।

स्मरण रखा जाना चाहिए कि सम्मान एक प्रकार का प्रोत्साहन है और यश लोगों को उस दिशा में प्रयत्नशील होने के लिए उत्तेजित करता है जिसमें कि यश मिलता है। प्रत्येक व्यक्ति के मन में यह ललक छिपी रहती है कि उसे सम्मान मिले, यश प्राप्त हो, लोग उसे सराहें तथा आदर की दृष्टि से देखें। जब किसी को सम्मान मिलता है तो लोग देखते है कि यह आदर किस लिए दिया जा रहा है ? उनमें भी वही कुछ करने और वैसा बनने की उमंग उठती है। जिससे कि सम्मान प्राप्त हआ। दुर्भाग्य से इन दिनों धन सम्मान और प्रतिष्ठा का मापदंड बना हुआ है इसलिए हर किसी में धनवान बनने की होड़ मची हुई है। संपन्नता के लिए प्रयत्न करना अनुचित नहीं है अनुचित है इसके लिए भले बुरे सभी तरह के उचित अनुचित उपायों का अपनाया जाना और जब धन को प्रतिष्ठा मिलने लगे तो नैतिक मूल्यों को भी ताक पर रखा जाना।

किसी भी कठिन से कठिन कार्य को सरल बना लेने की एक वैज्ञानिक विधि यह है कि उसे शीध्र ही करना प्रारंभ कर दिया जा। कोई कार्य तभी तक कठिन मालूम पड़ता है जब तक कि इसे हाथ में नहीं लिया जाता। हाथ में आते ही उसकी कठिनता कम हो जाती है और वह वैसे ही सरल लगने लगता है जैसे कोई अन्य काम।

कठिनाईयों की परवाह न करके जो व्यक्ति इस निश्चय से कार्य में जुटे रहते हैं कि उन्हें अमुक कार्य पूरा करना ही है, उसके लिए कितना ही उद्योग एवं परिश्रम क्यों न करना पड़े, वे अपने निर्धारित लक्ष्य को अवश्व प्राप्त कर लेते हैं। जिसके काम को करने का दृढ़ संकल्प कर लिया होता है, उसे मार्ग में बाधाएं उसी प्रकार नहीं ठहर पाती, जिस प्रकार वेगवती सरिता के प्रवाह में पडकर बबूल के ढेर नहीं ठहर पाते। उद्योगहीन व्यक्ति ही कठिनाइयों को दुर्भाग्य अथवा विपत्ति मानकर उसके सामने परास्त हो जाते हैं। पुरूषार्थी व्यक्ति कठिनाईयों से लड़ता और उन्हें बलपूर्वक पीछे ढकेलता हुए पहाड़ के बीच में भी रास्ता बन लेता है। ❑❑

पृष्ठ 1 का शेष...सरदार पटेल ने अखण्ड....

पृष्ठ 1 का शेष

...अर्पित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि आरोग्यता वहां पर होगी, जहां समाज स्वस्थ होगा। यदि व्यक्ति या समाज स्वयं रूग्ण है, तो वह समर्थ और सशक्त नहीं हो सकता। व्यक्ति व समाज के सशक्तिकरण के लिए आरोग्यता पहली शर्त है। भारतीय मनीषा ने 'शरीरमाद्यं खलुधर्मसाधनम्' के माध्यम से स्वास्थ्य के महत्व के विषय में बताया है।रन फॉर यूनिटी न केवल हमारी एकता दौड़ है, बल्कि स्वस्थ रहने के लिए भारतीय मनीषा के उद्घोष को चरितार्थ करने का भी एक माध्यम है। आरोग्य के देवता की जयन्ती पर हम रन फॉर यूनिटी के आयोजन से जुड़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल वर्तमान भारत के शिल्पी हैं। अखण्ड भारत के शिल्पी के रूप में पूरा देश लौहपुरूष सरदार पटेल का स्मरण करता है और उनके प्रति श्रद्धा का भाव रखता है। वह प्रखर स्वाधीनता संग्राम सेनानी थे और आजादी के आन्दोलन से जुड़े थे। वर्ष 1947 में देश आजाद हुआ, उस समय ब्रिटिश सत्ता भारत को अलग-अलग भागों में बांटना चाहती थी। सरदार पटेल ने उस षडयंत्र को बेनकाब करते हुए अपनी सूझ-बूझ और दृढ़प्रतिज्ञ भाव से 563 रियासतों को भारतीय गणराज्य में शामिल किया।

जनता की समस्याओं का निराकरण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने लगाया जनता दर्शन कार्यक्रम

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने कैम्प कार्यालय 7-कालिदास मार्ग पर आयोजित जनता दर्शन में आये फरियादियों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि हर व्यक्ति की हर समस्या का हर सम्भव निदान किया जायेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक फरियादी की समस्या का त्वरित व संतुष्टिपरक समाधान किया जाय। निर्देश दिए कि समस्याओं का सम्पूर्ण समाधान किया जाय और समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित की जवाबदेही तय होनी चाहिये। निर्देश दिए कि जन समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उत्पीड़न, भूमि पर अवैध कब्जों के मामलों को बेहद गंभीरता व संवेदनशीलता के साथ हल किया जाय और जहां जरूरत हो, कठोर कार्यवाही की जाय। कहा कि जनता की समस्याओं का निराकरण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उन्होंने जनसुनवाई के दौरान एक-एक व्यक्ति की समस्या को पूरी गम्भीरता से सुना तथा समस्याओं के निराकरण हेतु सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए हैं कि समस्याओं का निराकरण इस प्रकार किया जाय कि समस्याग्रस्त व्यक्ति पूरी तरह से संतुष्ट रहें और उन्हें दुबारा कहीं भटकना न पड़े और बार-बार चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने महिलाओं, दिव्यांग जनो, बुजुर्गों आदि की समस्याओं व शिकायतों को सुना और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर संबंधित अधिकारियों को त्वरित गति से निदान करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। विभिन्न जनपदों से आये कई सैकड़ा लोगों ने अपनी समस्यायें उप मुख्यमंत्री से मिलकर बतायीं।

जनता दर्शन में भूमि विवाद, दुर्घटनाओं से संबंधित, अवैध कब्जे, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास आवंटन, भूमि पर कब्जा दिलाने, अतिक्रमण हटाने, सड़क बनवाने, विद्युत, अभियुक्तों की गिरफ्तारी कराने, उत्पीड़न आदि से संबंधित विभिन्न समस्याएं प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए लोगों ने रखी। उप मुख्यमंत्री फरियादियों के पास खुद चलकर गये और एक-एक व्यक्ति की समस्या को उनसे सीधे संवाद करते हुए सुना। जमीन सम्बन्धी अधिकांश प्रकरणों में उन्होंने सम्बन्धित जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि वह राजस्व व पुलिस विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की संयुक्त टीम बनाकर मौके पर भेजा जाय और सार्थक समाधान कराया जाय।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने समस्याओं के निस्तारण के जिलों के उच्चाधिकारियों व शासन के उच्चाधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता करते हुए यथोचित दिशा निर्देश दिए।

प्रदेश में मत्स्य विकास को बढ़ावा देने हेतु कार्यशाला का आयोजन

लखनऊ। प्रदेश में मत्स्य उत्पादन एवं संरक्षण को बढ़ावा देने हेतु मत्स्य विभाग द्वारा मत्स्य चेतना केंद्र, मत्स्य निदेशालय, लखनऊ में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का शुभारंभ मत्स्य मंत्री डा. संजय कुमार निषाद ने किया, जिसमें उ.प्र. मत्स्य विकास निगम लिमिटेड के अध्यक्ष रमाकांत निषाद, उ.प्र. मत्स्य जीवी सहकारी संघ लिमिटेड के सभापति वीरू निषाद, एवं प्रमुख सचिव मत्स्य के. रविन्द्र नायक विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

प्रदेश के मत्स्य मंत्री डॉ0 संजय कुमार निषाद ने कहा कि प्रदेश में उपलब्ध कुल जलक्षेत्रों से वर्ष 2023-24 में 11.60 लाख मीट्रिक टन मत्स्य उत्पादन हुआ और प्रति हेक्टेयर 5539 किलोग्राम की उत्पादकता प्राप्त की गई। प्रदेश में गंगा, यमुना, चम्बल, बेतवा, गोमती, घाघरा, राप्ती जैसी नदियों के तट पर निवासरत मछुआरों को आजीविका में सहयोग हेतु अभियान चलाकर मत्स्य जीवी सहकारी समितियों का गठन किया जा रहा है, जिसमें 565 समितियों के गठन का लक्ष्य रखा गया है।

प्रमुख सचिव मत्स्य ने कहा कि प्रदेश के वन ट्रिलियन डालर इकोनामी लक्ष्य में मत्स्य क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने सुझाव दिया कि मंडल स्तर पर ऐसी कार्यशालाएं आयोजित की जाएं जिससे मत्स्य पालक, उद्यमी और जलाशयों के ठेकेदार प्रेरित हों। मंत्री ने अपने संबोधन में पालन तकनीक, जलाशयों में अंगुलिका संचय, मत्स्य आखेट प्रबंधन और जलक्षेत्र की सस्टेनेबिलिटी को बनाए रखते हुए अधिक से अधिक मत्स्य उत्पादन की दिशा में काम करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में निदेशक मत्स्य ने प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के अंतर्गत 18 केज प्रति व्यक्तिगत मत्स्य पालक और SHGs/ Cooperatives को प्रति सदस्य 6 केज तथा अधिकतम 72 केज का प्रावधान बताया। प्रति केज लागत 3 लाख रूपये निर्धारित की गई है, जिसमें सामान्य लाभार्थियों को 40प्रतिशत और महिला या अनुसूचित जाति के लाभार्थियों को 60 प्रतिशत अनुदान मिलता है।

कार्यशाला में केन्द्रीय अन्तरस्थलीय मात्स्यिकी शोध संस्थान के निदेशक डा.. बी.के. दास एवं राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड के वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक डा. एल. एन. मूर्ति ने आनलाइन सहभागिता की। साथ ही एनबीएफजीआर के प्रधान वैज्ञानिक डा. एस.के. सिंह,

बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डा. इकबाल खां, और विभिन्न अंचलों से आए मत्स्य पालक, जलाशयों के ठेकेदार और विभागीय वरिष्ठ अधिकारी इस कार्यशाला में उपस्थित रहे। कार्यशाला में प्रदेश के जल संसाधनों के बेहतर उपयोग और अधिकतम मत्स्य उत्पादन पर तकनीकी और वैज्ञानिक चर्चा की गई।

विशेषकर जलाशयों से अधिकतम मत्स्य उत्पादन प्राप्त करने के लिए केज कल्चर तकनीक को अपनाने पर जोर दिया गया। इस तकनीक पर विस्तृत जानकारी देते हुए, डा. बी.के. दास ने बताया कि केज कल्चर के माध्यम से मत्स्य उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि संभव है। उन्होंने बताया कि अंगुलिका संचय में सुधार और उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए इस तकनीक का लाभ उठाना चाहिए।

वहीं, डा. एल.एन. मूर्ति ने केज तकनीक हेतु सरकार द्वारा दी जाने वाली वित्तीय सहायता की जानकारी दी और प्रदेश में बीज बैंक या ब्रूड बैंक की स्थापना में सहयोग का आश्वासन दिया। मोहन सिंह राजपूत ने सजावटी मछली उत्पादन की आर्थिकी और लाभों पर प्रकाश डाला, जबकि डा. एस.के. सिंह ने गुणवत्ता युक्त मत्स्य अंगुलिका के संचय से मत्स्य उत्पादन के लक्ष्यों को प्राप्त करने पर जोर दिया।

आयुर्वेद उत्तम स्वस्थ्य एवं समृद्धि का आधार है

लखनऊ। आयुर्वेद उत्तम स्वास्थ्य एवं समृद्धि का आधार है। यह सिर्फ उपचार की विधा ही नहीं अपितु निरामय रहने का मार्ग भी है। वर्तमान में लोगो को पर्यावरण, खानपान एवं गलत जीवन शैली के कारण विभिन्न रोगों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में आयुर्वेद को अपनाकर शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ जीवन जीया जा सकता है। उक्त बाते प्रदेश के आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर मिश्र ''दयालू'' ने कही।

श्री दयालू नौवे आयुर्वेद दिवस के अवसर पर राजकीय आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज टूडियागंज लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

श्री मिश्र ने कहा कि आज दुनियां के 150 से अधिक देशों में आयुर्वेद दिवस मनाय जा रहा है। विश्व के 24 देशों में आयुर्वेद को उपचार पद्धति के रूप में मान्यता है। हमारे प्रधानमंत्री ने कई परम्परागत उपचार पद्धतियों को समेकित कर आयुष के रूप में प्रोत्साहित किया है। जिस तरह हमारे प्रधानमंत्री और हमारे प्रदेश के मुख्य मंत्री आयुष को प्रोत्साहित कर रहे हैं, हम कह सकते है कि आने वाले समय आयुष का है।

उल्लेखनीय है कि आज पूरे देश में भगवान धनवन्तरि जयन्ती व नौवा आयुर्वेद दिवस मनाया गया। इस अवसर पर राजधानी लखनऊ में भी बाइकरैली पोस्टर एवं वाद विवाद प्रतियोगिता सहित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों द्वारा प्रधानमंत्री का वर्चुअल सम्बोधन सुना गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री जी ने आयुष व चिकित्सा संबंधी विभिन्न योजनाओं का वर्चुअली लोकार्पण भी किया।

राजकीय आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज, लखनऊ में आयोजित कार्यक्रमो में विशेष सचिव आयुष हरिकेश चौरसिया, महानिदेशक आयुष मानवेंद्र सिंह, मिशन निदेशक आयुष महेन्द्र वर्मा सहित आयुष विभाग के उच्चाधिकारी एवं चिकित्सक उपस्थित थे।

माह के लक्ष्य से अधिक हुआ खाद वितरण : आर.एस.सेंगर

इटावा। विभागयी कार्यों की समीक्षा हेतु मण्डल के संयुक्त आयुक्त आरएस सेंगर द्वारा जनपद का भ्रमण किया गया। समीक्षा में जनपदीय एआर, पीसीएफ प्रबन्धक, कृभको एवं विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए सहायक आयुक्त आर.एस. सेंगर ने बताया कि जनपद का फास्फेटिक

उर्वरक वितरण का अक्टूबर लक्ष्य 3612 मैट्रिक टन रखा गया और अब तक 4200 मैट्रिक टन का वितरण हो चुका है। सभी किसानों से अपील की गयी है कि आलू की फसल के लिए कृषि वैज्ञानिकों द्वारा संस्तुति मात्रा एक बीघा में 25 किलो यूरिया, 14 किलो डीएपी या 22 किलो एनकेपी की सलाह दी गयी है, मानक से अधिक खाद प्रयोग से भूमि की उर्वरका शक्ति लगातार नष्ट हो रही है। किसान नैनो यूरिया, नैनो डीएपी के प्रयोग से हिचके नहीं एक बार प्रयोग अवश्य करें, अस्सी से नब्बे प्रतिशत तत्व नैनो यूरिया और नैनो डीएपी से पौधा ग्रहण करता है, सस्ता है हानिरहित है। सहायक आयुक्त श्री सेंगर ने एआर को निर्देशित किया कि धान खरीद की पूरी तैयारी रखी जाए। किसानों का समय से पंजीकरण कराये। उन्होंने बैंक में हुए गबन के संदर्भ में बताया कि बैंक प्रबंधतंत्र ने पहले ही कठोर कार्यवाही की है दोषी निलंबित किये गए तथा अभियोग पंजीकृत कराया गया। पुलिस विवेचना कर रही है और सहकारी समिति अधिनियम 1965 की धारा 65 के अंतर्गत गठित कमेटी भी जांच कर रही है। इटावा जिला सहकारी बैंक कानपुर मण्डल की सबसे बड़ी एवं मजबूत सहकारी बैंक है जिसकी साख है। समिति दतावली का भी भ्रमण किया गया, समिति में डीएपी खाद उपलब्ध है सचिव द्वारा किसानों को अधिकतम दो बोरी आधार कार्ड और जोत के आधार पर दिया जा रहा पाया गया। समिति पर उपस्थिति किसानों को नैनो यूरिया व डीएपी के लाभ बताये गये कई किसाना इसका प्रयोग कर रहे हैं। सचिव ने समिति अध्यक्ष के कक्ष को खाद का गोदाम बना रखा है, उसे अध्यक्ष कक्ष को खाली करने के निर्देश दिए गए।

उर्वरक में धांधली करने पर होगी कड़ी कार्रवाई

❑ उपलब्धता एवं वितरण की हुई जांच।

❑ फसल के आधार पर ही उर्वरक का करें वितरण

गाजीपुर। सीडीओ संतोष कुमार वैश्य ने सहकारी समितियों में उर्वरक उपलब्धता एवं वितरण का जांच किया। वह पीसीएफ गाजीपुर के बफर गोदाम और पीसीएफ जंगीपुर पर पहुँचे। वहां उन्होंने संबन्धित कर्मियों को सख्त निर्देश दिया। कहा कि उर्वरक में धांधली करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैश्य ने पीसीएफ जंगीपुर के कर्मचारी को निर्देशित किया कि रैक से प्राप्त उर्वरक को सही से रखें एवं समितियों से प्राप्त मांग को तत्काल परिवहन ठेकेदारों से समय से पूर्ण कराएं। इसके बाद विकास खंड सदर के बी-पैक्स बबेड़ी का निरीक्षण किया। यहां समिति द्वारा प्राप्त उर्वरक, वितरण एवं पॉस मशीन के स्टॉक का सत्यापन किया गया।

बी-पैक्स समितियों पर मिली खाद-बीज

बड़हलगंज। स्थानीय विकास की कई सहकारी समितियों के बन्द होने के चलते किसानों को खाद बीज की काफी किल्लत हो गई थी। किन्तु जिला सहकारी बैंक के पूर्व निदेशक तथा क्रय-विक्रय समिति के अध्यक्ष विजय प्रकाश शुक्ल की सक्रियता के कारण बी-पैक्स राम नगर व नरहरपुर क्रियाशील हो गई हैं जिससे अब खाद बीज आसानी से उपलब्ध हो जाएगा।

बड़हलगंज विकास खण्ड में कुल दस साधन सहकारी समितियों में से राम नगर, नरहरपुर खड़ेसरी, सिधुआपार, ओझौली व धोबौली वर्षों से बन्द हैं। जिला सहकारी बैंक के पूर्व निदेशक व क्रय-विक्रय सहकारी संघ बड़हलगंज के अध्यक्ष विजय प्रकाश शुक्ल के अथक प्रयास से सहायक आयुक्त नीरज कुमार, एडीओ सुनील पाण्डेय के सहयोग एवं सक्रियता से बी-पैक्स रामनगर व नरहरपुर क्रियाशील हो गये हैं। अब किसानों का खाद बीज की उपलब्धता हो गयी है। राम नगर में 20 मी टन डीएपी की उपलब्धता हो गई है जिसे अधिकारियों के नेतृत्व में किसानों के मध्य वितरण हुआ। विजय प्रकाश सिंह ने बताया कि ओझौली तथा धोबौली की समितियां भी प्रक्रियागत हैं। शीघ्र ही कार्यशील हो जाएंगी। समितियों के क्रियाशील होने पर समिति के सभापति रणजीत शुक्ला, कैलाश यादव, मकरध्वज निषाद आदि ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विभागीय अधिकारियों को आभार ज्ञापित किया है।

14 वर्ष बाद साधन सहकारी समिति झंगहा में शुरू हुआ खाद का वितरण

❑ स्थानीय कृषकों में खुशी की लहर

बरही, चौरीचौरा। साधन सहकारी समिति झंगहा क्षेत्र पंचायत खोराबार में विगत 14 वर्षों से किसानों को उर्वरक खाद का वितरण नहीं हो रहा था। किसानों के हितार्थ इस वर्ष समिति की हाइपों ऋण सीमा स्वीकृत कर 28 अक्टूबर दिन सोमवार से डीएपी उर्वरक खाद का वितरण प्रारम्भ हुआ। क्षेत्र के स्थानीय कृषकों को अब अपने घर के नजदीक ही उर्वरक प्राप्त होने लगा है।

उपरोक्त मौके पर उपस्थित सहायक विकास अधिकारी सहकारिता के.पी.सिंह ने बताया कि विभागीय अधिकारियों के कुशल मार्गदर्शन में यथाशीघ्र हाइपो ऋण सीमा स्वीकृत करते हुए 22.500 मैट्रिक टन डीएपी खाद का प्रेषण समिति को कराया गया है जो आज से पॉस मशीन के माध्यम से तथा कृषकों को उनकी जोत के अनुसार उर्वरक वितरण प्रारम्भ हुआ है।

गोरखपुर जनपद में रबी अभियान से पूर्व लगभग 100 समितियों के माध्यम से उर्वरक

वितरण हो रहा था, लेकिन वर्तमान समय में 160 समितियों के माध्यम से उर्वरक वितरण किया जा रहा है। समिति द्वारा यूरिया की भी मांग की गयी है। जल्द ही समिति को यूरिया की आपूर्ति हो जायेगी। समिति के पुनः जीवंत व सक्रिय होने से उर्वरक खाद वितरण करने पर स्थानीय कृषकों में खुशी की लहर छा गयी है। समिति पर लगातार उर्वरक प्राप्त करने के लिए कृषक की भीड़ बनी हुई है।। सक्षम अधिकारी ने बताया कि एक बोरी डीएपी खाद का वजन पचास किलो ग्राम तथा निर्धारित मूल्य एक हजार तीन सौ पचास में मिलेगा। आज 151 बोरा डीएपी खाद का वितरण किया गया।

20 साल से बंद समितियां हुई सक्रिय 50 हजार अन्नदाता होंगे लाभान्वित

❑ निष्क्रिय हुईं समितियों की दस-दस लाख की क्रेडिट लिमिट स्वीकृत, राहत

जौनपुर। जनपद की 208 साधन सहकारी समितियों में सिर्फ 165 समितियां ही वर्तमान में सक्रिय हैं बाकी समितियों में खस्ताहाल स्थिति के चलते ताला लटका हुआ था। सरकार की पहल पर दो दशक से बंद पड़ी 27 समितियों को पुनः सक्रिय कर दिया गया है। इन समितियों को दस-दस लाख रूपये की क्रेडिट लिमिट (ऋण सीमा) स्वीकृत की गई है। जल्द ही इन समितियों पर उर्वरक भेजी जाएगी। समितियों के सक्रिय होने से इनसे संबन्धित गांवों के 50 हजार किसानों को खाद व बीज की सुविधाएं मिलेंगी। कृषि प्रधान देश में किसानों को सेठ-साहूकारों के चंगुल से बचाने के लिए वर्ष 1965 में सहकारिता समिति नियमावली बनाई गई। इसके बाद 1975 में न्याय पंचायत स्तर पर साधन सहकारी समितियों की स्थापना कर गोदाम का निर्माण व सचिवों की नियुक्ति की गई। इसका लाभ भी किसानों को मिलने लगा। मामूली ब्याज पर खाद-बीज व कृषि कार्य के लिए ऋण दिया जाता है। किसानों को उत्पाद बेचकर जून माह तक बकाया भुगतान करना होता था। कर्ज माफी योजना व सरकार की अनदेखीी के कारण समितियों की स्थिति दिन-प्रतिदिन दयनीय होती गई। लगातार हो रहे घाटा के कारण कर्मचारियों को वेतन तक नहीं मिल रहा है। नियुक्ति प्रक्रिया दो दशक से बंद होने के कारण सचिव व कर्मचारियों का पचास प्रतिशत से अधिक पद रिक्त हैं। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत 165 समितियों को पांच-पांच

प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति मनेछा शाहगंज से उर्वरक लेकर जाता किसान

- **अस्तित्व खो चुकीं इन साधन सहकारी समितियों पर भेजी जा रही खाद**
- **नियुक्ति प्रक्रिया दो दशक से बंद, सचिव व कर्मचारियों के पचास प्रतिशत से अधिक पद रिक्त**

जनपद की 208 साधन सहकारी समितियों (बी-पैक्स) में चार विधिक अड़चनों के कारण फिलहाल बंद हैं। शेष बची 204 समितियों को सक्रिय कर किसानों को लाभ दिया जाना है। इनमें से 165 समितियों पर कारोबार पहले से हो रहा है। प्रथम चरण में 27 और समितियों को दस-दस लाख रूपये क्रेडिट लिमिट स्वीकृत कर सक्रिय कर दिया गया है। इन समितियों पर उर्वरक भी भेजी जा रही है।

- अमित कुमार पांडेय, सहा0आ0 एवं सहायक निबन्धक,सहकारिता।

लाख रूपये सहायता राशि देकर किसी तरह से सक्रिय किया गया था। वहीं निष्क्रिय 43 समितियों में चार को विविध अड़चनों के चलते बंद कर दिया गया है। सरकार की पहल पर प्रथम चरण में 27 निष्क्रिय समितियों को दो करोड़ 70 लाख रूपये की क्रेडिट लिमिट बनाकर सक्रिय किया गया है।

50 हजार से अधिक किसानों को मिलेगा लाभ : जनपद की 27 साधन सहकारी समितियों का क्रेडिट लिमिट दस-दस लाख रूपये स्वीकृत किए जाने के बाद सक्रिय कर दिया गया है। इन समितियों पर खाद व बीज व्यवस्था की गई है। सरकार की इस पहल का लाभ 50 हजार से अधिक किसानों को मिलेगा।